हिंदी (कक्षा – चौथी)

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन (सभी सप्ताहों की गतिविधियों के लिए प्रस्तावित)*	*प्रस्तावित गतिविधियाँ (बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
बच्चे - • कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।	एनसीईआरटी या राज्य द्वारा बनाई गई पाठ्यपुस्तकें, घर में उपलब्ध पढ़ने-लिखने की सामग्री, अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री (इंटरनेट, वेबसाइट,रेडियो,टीवी आदि)	**सप्ताह -1** ***भाषा का सृजन (मौखिक और लिखित)*** बच्चे अपनी भाषा गढ़ने के संदर्भ में कई तरह के काम कर सकते हैं- 1. अपने सृजन के बच्चे किसी सुनी/पढ़ी हुई कहानी, कविता, गीत, बातचीत के आधार पर - • अपनी नई कहानी, कविता, गीत आदि बना सकते हैं। • अपने कल्पना से उसे आगे बढ़ा सकते हैं। • उसका अंत बदल सकते हैं। • कहानी को गीत/कविता में और कविता/गीत को कहानी में बदल सकते हैं। • कहानी का मंचन करने के लिए ज़रूरी सामान की सूची बना सकते हैं। • किसी घटना को मंच-दृश्य में बदलने के लिए संवाद लिख सकते हैं।
• विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों के अनुसार लिखते हैं। • किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए और सराहते हैं और और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं। • अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (बाल साहित्य/ समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं।		**सप्ताह -2** 1. **संवाद बोलना/लिखना -** कल्पना के आधार पर किसी व्यक्ति, दोस्त, घर के पालतू जीवों के साथ संवाद लिख सकते हैं, जैसे- कोरोना की वजह से घर में बंद रहने पर बच्चे और कोरोना के बीच बातचीत, बच्चे और उसके दोस्त के बीच बातचीत, बच्चे और शिक्षक के बीच बातचीत, बच्चे और उसके पालतू पशु के बीच बातचीत, घर के सदस्यों के साथ बातचीत आदि। 2. **साक्षात्कार लेना -** घर में उपस्थित सदस्यों का विभिन्न विषयों पर साक्षात्कार लेना और उसे लिखना, जैसे - क्या कभी पहले भी ऐसा हुआ है? क्या कभी उन्हें घर में बंद रहना पड़ा है? घर में बंद रहकर क्या-क्या नुकसान हुआ है? क्या कभी खाने-पीने के सामान की कमी हुई है? अगर ऐसा लॉकडाउन बहुत लंबा चला क्या होगा? अपनी कल्पना से किसी दूसरे ग्रह के बच्चे का साक्षात्कार लेना/लिखना कि क्या तुम्हारे

		यहाँ भी कोरोना वायरस फैला हुआ है? जो लोग फुटपाथ पर रहते हैं वे कैसे कोरोना से बचाव करते होंगे, वे क्या काम करते होंगे? वे भोजन कैसे जुटाते होंगे? आदि। **3.** अपने आस-पास लगे हुए पोस्टर्स को देखें और बातचीत करें। अपने लिखे हुए को ज़रूर पढ़िएगा!
• विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगी जाने वाली सूचना, सामान की सूची , कविता, कहानी, चिट्ठी आदि) के अनुसार लिखते हैं। • अलग -अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।		**सप्ताह -3** ***पोस्टर, विज्ञापन पढ़ना, बनाना और सूचना लिखना*** 1. अपनी पसंद के विषय पर पोस्टर, विज्ञापन बना सकते हैं, सूचना लिख सकते हैं, जैसे- कोरोना की रोकथाम के लिए घर में रहने की सलाह देना, इससे जुडी ज़रूरी बातों की सूची बनाना, स्कूल के बच्चों के लिए १४ अप्रैल तक लॉकडाउन की सूचना लिखना।
• अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं। • किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए और सराहते हैं और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं।		**सप्ताह - 4** ***कहानी, कविता, गीत आदि की रचना करना*** 1. बच्चे अपनी पसंद के विषय, अनुभव और स्तर के अनुसार कहानी, कविता, गीत आदि की रचना कर सकते हैं। 2. बच्चे अपनी कहानी की किताब भी बना सकते हैं। कविताओं का संकलन बना सकते हैं। 3. बच्चों के सृजनात्मक लेखन का संकलन करते हुए अपने स्कूल की बाल पत्रिका, स्कूल की भित्ति पत्रिका (स्कूल वॉल मैगज़ीन) का निर्माण किया जा सकता है।

विषय– भाषा (हिंदी) कक्षा 4

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन (सभी सप्ताहों की गतिविधियों के लिए प्रस्तावित)*	*प्रस्तावित गतिविधियाँ बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
बच्चे • कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं। • विविध प्रकार की सामग्री, जैसे– समाचारपत्र के मुख्य शीर्षक, बालपत्रिका आदि में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिंदुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। • अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (बालसाहित्य/ समाचारपत्र के मुख्य शीर्षक, बालपत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं।	**एनसीईआरटी या राज्य द्वारा बनाई गई पाठ्यपुस्तकें** घर में उपलब्ध पढ़ने-लिखने की सामग्री अन्य दृश्य- श्रव्य सामग्री, जैसे– इंटरनेट, वेबसाइट, रेडियो, टीवी आदि।	**सप्ताह 5** • अभिभावक द्वारा बच्चों को पाँच चरित्र दिए जा सकते हैं, जैसे– किसान, डाकिया, डॉक्टर, क्रिकेटर एवं शिक्षक इन पात्रों के बारे मे सोचें तथा बताएँ कि आप इन पात्रों की तरह होते तो क्या करते? • बच्चों की बातों को सुनने एवं उन पर प्रतिक्रिया देने के लिए संभवतः परिवार का एक सदस्य उनके साथ होना चाहिए। • बच्चे, अभिनय द्वारा इन पात्रों को परिवार के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं। • उपरोक्त चरित्रों के उपयोग में आने वाली चीज़ों को बच्चों द्वारा एकत्र किया जा सकता है। **सप्ताह 6** • 'रिमझिम' कक्षा चार में सम्मिलित पाठ 'उलझन' को पढ़े एवं सोचें कि आप भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। • अपने द्वारा निर्धारित व्यवसायों की पाँच अच्छी बातें एवं उन व्यवसायों में होने वाली परेशानियों के बारे में भी बताएँ। **सप्ताह 7** • बीमार व्यक्ति के लिए डॉक्टर की भूमिका को अभिनय के माध्यम से घर में प्रस्तुत करें। • बीमार होने के कारण आपको एक सप्ताह की छुट्टी चाहिए, इसके लिए आप अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखें। • लॉकडाउन की तैयारी आपने कैसे की इस पर एक छोटा निबंध लिखने के लिए बच्चों से कहें। • आप घर पर अकेले हैं एवं आप को खुद खाना बनाना है, आप खाने में क्या बनाएँगे, इस पर परिवार से चर्चा करें। **सप्ताह 8** • बच्चे अपनी पसंद के विषयों पर पोस्टर,विज्ञापन बना सकते हैं। सूचना लिख सकते हैं, जैसे– स्कूल में साफ़-सफ़ाई कैसे करें? स्कूल में पेड़-पौधे कैसे लगाएँ? इन विषयों पर चर्चा भी की जा सकती है।

• पढ़ी रचनाओं की विषयवस्तु, घटनाओं चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। • स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित विज्ञान, समाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं। • भाषा की बारीकियों, जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। • विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों, बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, • सामान सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी आदि के अनुसार लिखते हैं। • अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।		**सप्ताह 9** • अपने विद्यालय के पुस्तकालय को और अच्छा बनाने के लिए क्या किया जा सकता है, इस पर परिवार से चर्चा करें। • बच्चे अपनी पसंद के विषयों, अनुभवों और स्तरों के अनुसार कहानी, कविता गीत आदि की रचना कर सकते हैं। **सप्ताह 10** • अपने आस-पास या परिवेश में पाए जाने वाले पौधों की सूची बच्चों से बनवाएँ। • विभिन्न पेड़-पौधों को अच्छी तरह से बड़ा होने के लिए क्या-क्या चाहिए, इसके बारे में बच्चों से चर्चा की जा सकती है। • विभिन्न औषधियों एवं पौधों के बारे में बच्चों को बताया जा सकता है। **सप्ताह 11** • घर में उपस्थित सदस्यों का विभिन्न विषयों पर साक्षात्कार किया जा सकता है, जैसे– • कोरोना बीमारी के बारे में आप क्या जानते हैं? • कोरोना बीमारी की रोकथाम के लिए क्या किया जा सकता है? • कोरोना बीमारी से संक्रमित होने की स्थिति में क्या-क्या नहीं किया जा सकता है? • इस बारे में बच्चे परिवार के सदस्यों का साक्षात्कार करें। **सप्ताह 12** • आस-पास घटने वाली गतिविधियों और घटनाओं के बारे में परिवार से प्रश्न करें। • अभिभावक, बच्चों से अन्य विभिन्न विषयों पर भी चर्चा कर सकते हैं। • कोरोना महामारी से बचाव के लिए बच्चे क्या-क्या करेंगे, इस पर बच्चों के विचार लिए जा सकते हैं। • कोरोना महामारी में उपयोग होने वाले नए शब्दों को बच्चे लिख सकते हैं।